

1/10/24

फावली पेय हुई/ वयोग प्राप्ति
अथवा प्राप्ति के ओर से कोई
आविष्ट नहीं है/ आवान्त लगवई
गई/ वावजूद आवान्त के भी
कोई रूप नहीं है/ अतः प्रकृत
धर्मार्थ अस्त एवम् ३ स्वार्थिज किया
जाता है



[Handwritten signature]